e-ISSN No. 3107/6564

भाग 01 अंक 03 / अगस्त 2025

e-ISSN No. 3107/6564

NATIONAL AGRICULTURAL STUDENTS ORGANIZATION

हिंदी मासिक

कृषि पत्रिका

(कृषि छात्रों, किसानों एवं कृषि वैज्ञानिक हेतु समर्पित)

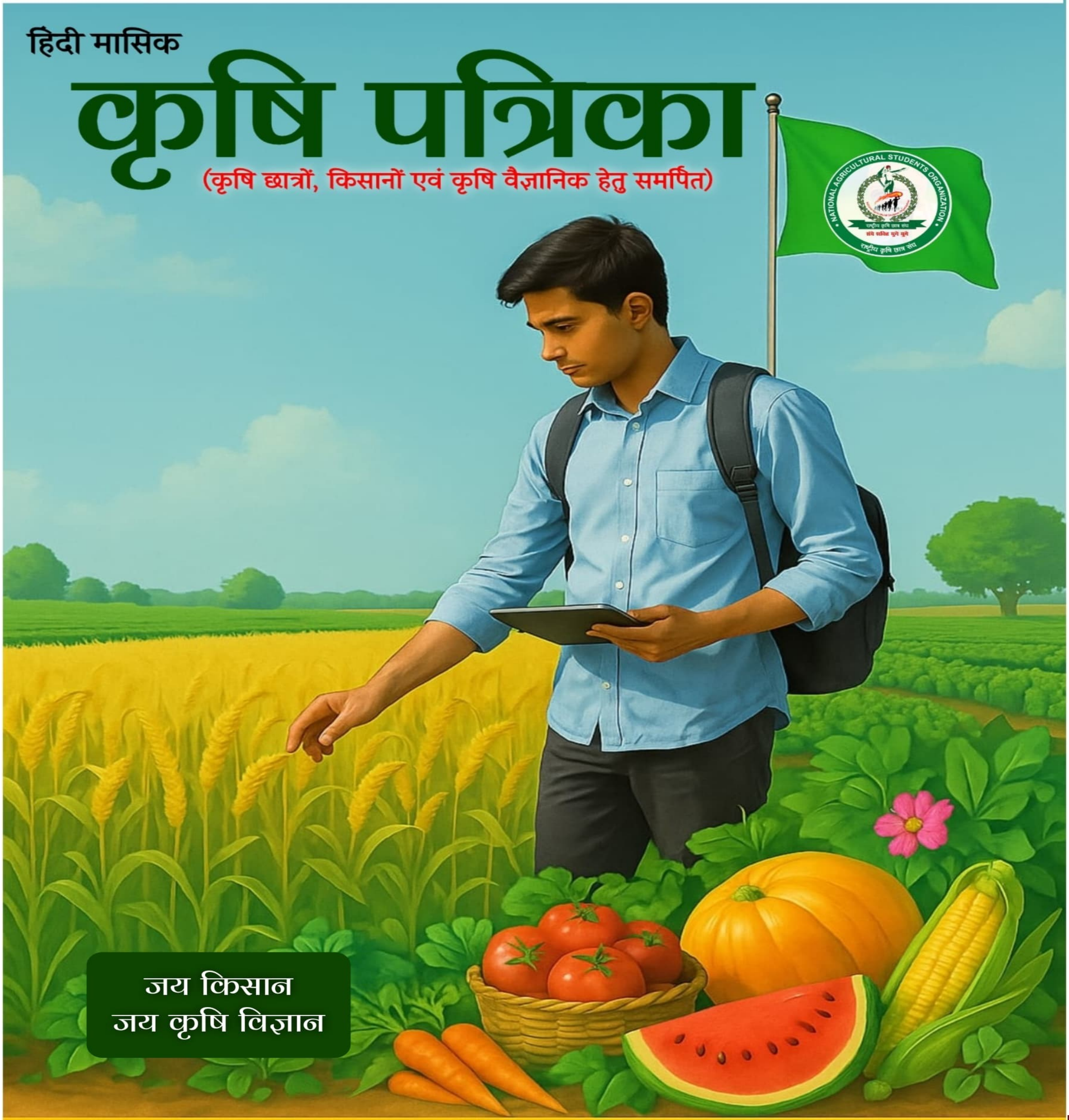

Contact to us - E-mail: editorinchief@naso.org.in / website: www.naso.org.in

e-ISSN No. 3107/6564

डॉ. भाष्कर दुबे
मुख्य संपादक
ediotorinchief@naso.org.in

डॉ अनुराग रजनीकांत तायडे
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कीट विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ. अमित कुमार
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि अर्थशास्त्र विभाग, SHUATS, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

अनुग्रह साक्षी
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निखिल तिवारी श्रीदत्त
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

शशांक सिंह
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - शस्य विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रकाशक –

डॉ. भाष्कर दुबे

पत्रिका का प्रकार - हिंदी, मासिक, कृषि पत्रिका

पंजीकृत पता - अतरौरा मीरपुर, सोनपुरा, प्रतापगढ़ (उ.प्र.) 230124

कार्यालय - गंगोत्री नगर, SHUATS कृषि विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211007

Website – www.naso.org.in

E-mail – editorinchief@naso.org.in

Contact – 9936902749 / 7068708058

e-ISSN No. 3107/6564

विकास के विकास की कहानी

मशरूम उत्पादन से खुशहाल हुई ज़िंदगी

(*सफलता की कहानी*)

डॉ. प्रभाष चन्द्र सिंह, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय एवं डॉ. विश्वेंदु द्विवेदी
कृषि विज्ञान केन्द्र, भदोही, उत्तर प्रदेश
(आई.सी.ए.आर–रा.बी.वि.एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कुशमौर, मऊ)

भूमिका

वर्तमान समय में जहाँ सरकारी नौकरियाँ कम होती जा रही हैं, वहीं देश में युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे में स्वरोजगार एक मजबूत विकल्प बनकर उभरा है। सरकार द्वारा उद्यमियों को वित्तीय सहायता, सब्सिडी, बाज़ार उपलब्धता जैसे अनेक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

यदि युवा इच्छाशक्ति, उत्साह और संकल्प से कार्य करें, तो सफलता निश्चित है।

कहानी की शुरुआत (वर्ष 2020)

श्री विकास कुमार यादव, पुत्र **श्री कुंवर बहादुर यादव**, ग्राम–दत्तीपुर, पोस्ट–औराई, जनपद भदोही के निवासी हैं। तीन भाइयों में सबसे छोटे:

- **बड़े भाई** — वाराणसी में प्राइवेट डॉक्टर
- **दूसरे भाई** — बी.टेक कर व्यवसाय
- **विकास** — पिता की प्रेरणा से बी.एससी. कृषि

कृषि से स्नातक के साथ–साथ विकास तकनीकी रूप से प्रशिक्षित होना चाहते थे।

तकनीकी प्रशिक्षण की ओर कदम

- ✓ विकास समय–समय पर **कृषि विज्ञान केन्द्र, भदोही** आते रहे।
- ✓ उन्होंने **5 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण** में भाग लिया।

प्रशिक्षण के बाद:

- पहली बार **ढिंगरी मशरूम** — 15 बैग से शुरुआत।

उत्पादन की यात्रा

वर्ष 2021 :

- पारिवारिक सहयोग
- 20 कुन्तल कम्पोस्ट से **बटन मशरूम उत्पादन**
- बाँस स्ट्रक्चर + ब्लैक पॉलिथीन
- सफलता से उत्साह बढ़ा

वर्ष 2022 :

- 60 कुन्तल कम्पोस्ट
- आसपास के बेरोज़गार युवाओं को काम देकर **रोज़गार सृजन**

वर्ष 2023 :

- 70 कुन्तल कम्पोस्ट
- 20×150 वर्ग फुट का हाल बनवाया
- 7 किलोवाट **सोलर ग्रिड** की स्थापना

वर्ष 2024 :

- 90 कुन्तल कम्पोस्ट
- अधिक लाभ प्राप्त
- पूरे वर्ष मशरूम उत्पादन हेतु **वातानुकूलन व्यवस्था**

बाज़ार आपूर्ति स्थान

1) चन्दुआ सब्ज़ी मण्डी (वाराणसी)
2) कपसेठी मण्डी
3) मिर्ज़ापुर मण्डी
4) जौनपुर मण्डी
5) ज्ञानपुर (भदोही)

e-ISSN No. 3107/6564

उत्पादन चक्र

- पहली तुड़ाई — 32वें–34वें दिन
- कुल तुड़ाइयाँ — 4–5
- उसके बाद कम्पोस्ट हटाकर पुनः खेती

अप्रैल 2025 : आय–व्यय विवरण

खर्च

मद	राशि (₹)
कम्पोस्ट + पॉलिथीन + स्पॉन (@₹11/किग्रा)	1,32,000
लोडिंग/अनलोडिंग/भराई मजदूरी	28,000
कोकोपिट स्टरलाइज/केसिंग/नमी रख–रखाव	24,000
कुल खर्च	**₹1,84,000**

उत्पादन

विवरण	मात्रा
प्रति कुन्तल उत्पादन	20 किग्रा
कुल कम्पोस्ट (120 कुन्तल) से उत्पादन	2400 किग्रा
औसत बाज़ार मूल्य (₹/किग्रा)	₹140
कुल विक्रय मूल्य	**₹3,36,000**

शुद्ध लाभ

₹3,36,000 – ₹1,84,000 =

₹1,52,000 (55 दिनों में)

व्यवहारिक विश्लेषण

- ✓ समय का सदुपयोग
- ✓ ब्रह्ममुहूर्त जागरण
- ✓ कम नींद, अधिक ध्यान
- ✓ परिवार का योगदान
- ✓ तकनीकी शिक्षा का उपयोग

रोज़गार सृजन

विकास ने:

- बेरोज़गार युवाओं को रोजगार दिया
- उन्हें मशरूम उत्पादन कौशल सिखाया

समाज को संदेश-

यदि युवा **कृषि आधारित स्वरोज़गार** को अपनाएँ, तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करें, तो सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

निष्कर्ष

विकास कुमार यादव:

- ✓ आधुनिक तकनीक
- ✓ पारिवारिक समर्थन
- ✓ निरंतर मेहनत

की बदौलत **लाखों रुपये कमा रहे हैं** एवं अन्य युवाओं के लिए **प्रेरणा स्रोत** बन चुके हैं।